बिहार विधान सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में वृहस्पतिवार, तिथि २८ अप्रील १९५५ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS

रांची में अधिवेशन।

*३१८। श्री राम सुन्दर तिवारी—क्या मुख्य मंत्री यह बतानें की कृपा करेंगे कि

क्या यह बात सही है कि सरकार इस साल बिहार विधान सभा का अगला अधिवेशन रांची में करने का निश्चय करने जा रही है ?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—यह विषय अभी भी विचाराधीन है।

IRON SCANDAL CASE OF DIGHWARA.

466. **Shri HARIHAR PRASAD SINGH**: Will the Minister, Law (Judicial) Department, be pleased to state—

(*a*) the total number of sittings of the Committing Court, Patna and the average approximate time taken in each sitting of the Iron Scandal Case of Dighwara;

(*b*) the amount paid to the special P. P. and the A. P. Ps. in the case at the stage of commitment and subsequent stages separately;

(*c*) whether it is a fact that the High Court, Patna censured and transferred the Officer of the Committing Court;

(*d*) what was the opinion of the Adovcate-General in the matter of preferring an appeal in the case?

Shri SHIVA NANDAN MANDAL: (*a*) The total number of sittings of the Committing Court was 176. The total time for which the Court sat would be approximately 656 hours. The average approximately time taken in each sitting thus comes to 334 hours.

(*b*) In all, a sum of Rs. 1,33,425 has been paid to the Special P. P. and Rs. 63,305 to the A. P. Ps. Thus a toal sum of Rs. 1,96,730 has been pad in all to the special P. P. and A. P. Ps. Out of this Rs. 1,78,030 had been paid up to the stage of the conviction of the accused.

---

*सदस्य की अनुपस्थिति में श्री सत्येन्द्र नारायण अग्रवाल के अनुरोध से उत्तर दिया गया।

श्री पशुपति सिंह—किससे चार्ज लिया ?

Shri KRISHNA BALLABH SAHAY : From those who were in office.

श्री पशुपति सिंह—यह चार्ज कागज पर लिखापढ़ी के साथ लिया गया या जबानी ?

अध्यक्ष—यह सवाल नहीं उठता है।

श्री प्रभुनाथ सिंह—मैं जानना चाहता हूं कि जब आर० चौधरी एक बार लौट आये तो उन्होंने क्या रिपोर्ट दी ?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—उन्होंने यह रिपोर्ट दी कि वहां पर बहुत से आदमी जमा थे और उनके नेता श्री राघव झा थे। वहां पर ब्रीच ऑफ पीस होने का डर था, इसलिए अधिकारी ने यह सजेस्ट किया है कि उनलोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाय।

श्री प्रभुनाथ सिंह—हम जानना चाहते हैं कि पंडित राघव झा जो वहां के एक्सचेयरमैन थे उन्होंने कितने घंटे पहले चार्ज दिया ?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—यह नया चुनाव २७ मार्च, १९५५ ई० को हुआ और पुलिस सब-इन्सपेक्टर के रिपोर्ट देने के बाद ४ अप्रील, १९५५ ई० को चार्ज ले लिया गया।

श्री प्रभुनाथ सिंह—यह चार्ज लिखापढ़ी के साथ लिया गया या ऐसे ही जबानी ले लिया गया ?

अध्यक्ष—यह प्रश्न नहीं उठता है।

गया पुलिस लाईन के रिजर्व पुलिस सब-इंसपेक्टर की बदली।

२०९. श्री रामानन्द तिवारी—क्या मुख्य-मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि गया पुलिस लाईन के रिजर्व पुलिस सब-इंसपेक्टर १९५२ के जनवरी महीने से अभी तक वहीं पर हैं ;

(ख) क्या यह बात सही है कि पुलिस आर्डर नं० ४, १९४९ साल तथा पुलिस आर्डर नं० १९, १९५४ साल के आदेशानुसार किसी भी पुलिस सब-इंसपेक्टर जो रिजर्व में रहते हैं उन्हें २ और ३ वर्ष से अधिक एक स्थान पर नहीं रहना चाहिये ;

(ग) यदि खंड (ख) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उन्हें शीघ्र बदल कर दूसरी जगह भेजेगी ?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—(क) मौजूदा सब-इंसपेक्टर ऑफ पुलिस, गया रिजर्व पुलिस लाइन में १९५२ के फरवरी से हैं।

(ख) और (ग) पुलिस आर्डर नं० १९, १९५४ के अनुसार कोई पुलिस अफसर किसी पुलिस स्टेशन में या किसी सर्किल में तीन वर्ष से ज्यादा नहीं रहते हैं। मौजूदा सब-इंसपेक्टर ऑफ पुलिस को ३ वर्ष अभी पूरा हो गया है और उनकी तबदीली का सवाल एस० पी०, गया के जेरे तजवीज है।

रांची में विधान मंडल की बैठक।

५४३। श्री लक्ष्मी नारायण सिंह—क्या मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) किन कारणों से सरकार तथा सेक्रेटरियट गर्मी के दिनों में रांची जाती है;

(ख) किन कारणों से १९५० के बाद आज तक बिहार विधान मंडल की बैठक रांची में नहीं हो सकी;

(ग) क्या यह बात सही है कि मकान की कमी के कारण आजतक विधान मंडल की बैठक रांची में होना संभव न हो सका;

(घ) यदि खंड (ग) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या ईस्टर्न कमांड के चले जाने के फलस्वरूप मकानों की दिक्कत दूर हो जाने की उम्मीद है ताकि इस साल रांची में बैठक हो?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—(क) भारतीय संविधान के अनुसार राज्य सरकार पर शिड्यूल्ड एरियाज के शासन के लिए खास जिम्मेवारी दी गई है और चूंकि शिड्यूल्ड एरियाज ज्यादातर छोटानागपुर डिवीजन में हैं इसलिए सरकार के लिए जरूरी हो जाता है कि साल में कुछ दिनों के लिए रांची जाय। इस अवधि में राज्य-सरकार यह कोशिश करती है कि छोटानागपुर का जो ट्राइबल पोपुलेशन है और उनकी जो खास समस्यायें हैं उनकी जानकारी हासिल करे और उनका समाधान करे। रांची जाने से सरकार को इसका भी मौका मिलता है कि ट्राइबल पोपुलेशन की भलाई के लिए जो उसने प्रोग्राम बनाया है वह किस तरह कार्यान्वित हो रहा है उसको देखे।

(ख) तथा (ग) चूंकि लेजिस्लेचर के मेम्बरों की संख्या में वृद्धि हो गयी है और लेजिस्लेटिव असेम्बली तथा लेजिस्लेटिव कौंसिल के सेक्रेटरियट में वृद्धि हो गयी है इसलिए रांची में उनके रहने के लिए जगह खोजने में कठिनाई होती है। इसलिए १९५० के बाद लेजिस्लेचर का अधिवेशन वहां नहीं हो सका है।

(घ) अभी तक ईस्टर्न कमांड ने रांची में सिर्फ ४ कैम्प अपना छोड़ दिया है लेकिन मिलिटरी औथोरिटीज उन्हें राज्य-सरकार के जिम्मे देने के लिए राजी नहीं हुए हैं। अगर रांची में एक अधिवेशन करने के प्रश्न पर सरकार विचार करेगी जब सरकार रांची जायगी।

श्री पुरुषोत्तम चौहान—मैं यह जानना चाहता हूं कि मिलिटरी औथोरिटीज मकान छोड़ने के लिए राजी नहीं हुए इसका कारण क्या है?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—हमारे पास यही खबर है कि अभी तक वे राजी नहीं हुए हैं, हम लिख रहे हैं लेकिन वे राजी नहीं हुए हैं, जबतक वे जवाब नहीं देते हैं तब तक मेम्बरों को उस मकान में हम कैसे रख सकते हैं?